an>

Title: Need to appoint the members and secretary for Bhakra Beas Management Board from officers of Rajasthan Government.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, जो कि अंतरराज्यीय जल वितरण समझौते को लेकर है। 31 दिसम्बर, 1981 में हुए अंतरराज्यीय समझौते के अनुसार राजस्थान राज्य का रावी व्यास के अधिक्य जल में 52.69 प्रतिशत हिस्सा है। प्राय: यह विवाद बना रहता है कि सहभागी राज्यों द्वारा प्रतिवर्ष पीने के पानी व सिंचाई के पानी की कमी झेल रहे राजस्थान प्रदेश को आवंटित जल में कटौती की जाती रही है।

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के क्लॉज 79 (2) के तहत भारत सरकार द्वारा पूर्णकालिक अध्यक्ष एवं पूर्णकालिक सदस्य की नियुक्ति की जाती है। अध्यक्ष बीबीएमबी आरंभ से ही सदस्य राज्यों से न होकर एक अन्य राज्य से नियुक्त किये जाते रहे हैं। इसके अतिरिक्त सदस्य (ऊर्जा) की नियुक्ति पंजाब तथा सदस्य (सिंचाई) की नियुक्ति हरियाणा से की जाती रही है। राजस्थान के अधिकारी को बीबीएमबी में सदस्य पद पर नियुक्त करने से हमेशा इनकार किया जाता रहा है। सदस्यों को केवल पंजाब व हरियाणा राज्य से नियुक्त किये जाने का प्रावधान नहीं है, लेकिन फिर भी किया जाता रहा है, जिसके कारण राजस्थान हमेशा से अपने हक को खो देता है। भाखड़ा व्यास प्रबंधन मंडल (बीबीएमबी) में राजस्थान राज्य से पूर्णकालीन सदस्य व सचिव की नियुक्ति का मामला भारत सरकार में लम्बित है। वर्ष 1986 में हुई बीबीएमबी बोर्ड की 122वीं बैठक में भी यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक सहभागी राज्य का प्रतिनिधित्व हो। इस प्रकरण पर राजस्थान सरकार के मुख्य मंत्री द्वारा 10 से अधिक बार अनुरोध किया जा चुका है। इसी तर्ज पर भाखड़ा व्यास प्रबंध बोर्ड में व्यास परियोजना न भाखड़ा कांप्लैक्स के पदों में भी राजस्थान के प्रतिनिधित्व की कमी है, जिसके लिए भी भारत सरकार से अनुरोध किया जा चुका है।

अत: मेरा आपके माध्यम से संबंधित मंत्रालयों से और उनके मंत्रियों से विशेष अनुरोध है कि राजस्थान राज्य को उसका हक दिलाने हेतु उचित कार्रवाई करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : डा.किरिट पी.सोलंकी, श्री देवजी.एम.पटेल, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, डा.मनोज राजोरिया, श्री सी.पी.जोशी एवं श्री सी.आर. चौधरी को श्री पी.पी.चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।